फार्मर फर्स्ट परियोजनांतर्गत पशुपालक संगोष्ठी का समापन

जबलपुर। आज दिनांक 9 मार्च 2019 को फार्मर फसर्ट परियोजना, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान वि.वि., जबलपुर के अंतर्गत एक दिवसीय पशुपालक संगोष्ठी का आयोजन प्रोफेसर डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर के मुख्य आतिथ्य में अंगीकृत ग्राम छत्तरपुर में आयोजित हुई। इस संगोष्ठी में 25 कृषकों/कृषक महिलाओं ने भाग लिया। परियोजना के अधिकारियों द्वारा एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषि एवं पशुपालन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत तकनीकि जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर

प्रगतिशील कृषक श्री इंदर केवट द्वारा एकीकृत कृषि प्रणाली पद्धति से संबंधित अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही उपस्थित कृषक भाईयों/बहिनों ने अपनी कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी समस्यायें बतायी, जिसका त्वरित सामाधान किया गया और उन्हें पूर्ण करने हेतु आस्वत किया गया।

पशुपालक संगोष्ठी के इस अवसर पर मुख्यअतिथि डॉ. प्रयागदत्त जुयाल कुलपति ने आसंदी से उद्‌बोधन में कृषि समृद्धि हेतु वि.वि. की परियोजना के माध्यम से सतत् प्रयास के द्वारा पूर्ण करने का आश्वासन तो दिया ही, साथ ही भविष्य में अंगीकृत ग्राम छत्तरपुर में कृषक महिलाओं में रक्त अल्पता हेतु रक्त परीक्षण एवं क्षय रोग से पीड़ितों को गोद लेकर वि.वि. द्वारा माननीय कुलाधिपति के निर्देशानुसार पौष्टिकता हेतु समय–समय पर यथायोग्य फल, दूध आदि जैसी पौष्टिक सामग्रीयों के वितरण के विषय में भी आश्वस्त किया। जिसकी उपस्थित ग्रामीणजनों द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

पशुपालक संगोष्ठी के पश्चात माननीय कुलपति जी द्वारा कृषकों के द्वार पहुॅचकर फार्मर फर्स्ट परियोजना की विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। पशुपालक संगोष्ठी में डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रमुख अन्वेषक, डॉ. हरि आर. उपप्रमुख अन्वेषक, श्री विजय चौकसे व आशीष यादव, क्षेत्र सहायक, फार्मर फर्स्ट परियोजना की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।